RNI No. HARHIN06075

बेटी बचाओ बेटी पढाओ

गोल्डन संदेश

E-mail : goldensandesh999@gmail.com

मासिक समाचार पत्र

गोल्डन संदेश

जिस आदमी ने जीवन में कोई गलती नही की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश ही नही की.....

वर्ष –1 | अंक–12 | पृष्ठ–4 | सितम्बर 2016 | उकलाना मंडी (हिसार) | मूल्य –नि:शुल्क

महेन्द्रगढ़ में आयोजित स्काऊट एंड गाईड शिविर में हिसार ओवर ऑल विजेता

गोल्डन पब्लिक स्कूल ने किया हिसार जिले का प्रतिनिधित्व

उकलाना । हिन्दुस्तान स्काऊट एंड गाईड की ओर से राज्य स्तरीय कैम्प का आयोजन महेन्द्रगढ़ जिले के नसीबपुर में किया गया जिसमें हिसार जिले की ओर से गोल्डन पब्लिक स्कूल उकलाना मण्डी ने भाग लिया। पांच दिवसीय शिविर मे आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं मे गोल्डन पब्लिक स्कूल ने ओवरऑल विजेता का खिताब जीता। विजेता टीमों को महेन्द्रगढ़ के अतिरिक्त उपायुक्त आर.एस. वर्मा द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि हिन्दुस्तान स्काऊट एंड गाईड एक ऐसा संगठन है जो देशभक्ति की भावना से प्रेरित है तथा देश के लिए हर प्रकार की सेवा के लिए हर समय तैयार रहता है। उन्होने हिसार की टीम को बधाई देते हुए कहा कि बिना अनुशासन कुछ भी सम्भव नहीं है इसी के चलते हिसार की टीम को विजेता घोषित किया गया । टीम के प्रभारी रामफल सिंह ने बताया कि शिविर का आयोजन दोसी की पहाड़ियो के बीच 29 अगस्त से 2 सितम्बर तक किया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिता जैसे परेड में प्रथम, सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम, टेंट लगाना में तृतीय स्थान स्थान प्राप्त कर हिसार व उकलाना का नाम रोशन किया । इसके इलावा जयश्री को बैस्ट गाईड का अवार्ड दिया गया। इसके इलावा प्रोजेक्ट तैयार करना, रंगोली, रूम तैयार करना, टेऊकिगं करना, प्राथमिक उपचार आदि गतिविधियां करवाई गई।

हिन्दुस्तान स्काऊट एंड गाईड के जिला सचिव चन्द्रसिंह नायक ने बताया कि शिविर में बच्चों को विपरीत परिस्थितियों में अपना बचाव करना, देशभक्ति, अनुशासन आदि के प्रति जागरूक किया जाता है। उन्होने बताया कि गोल्डन पब्लिक स्कूल की टीम अब मंसूरी मे लगने वाले कैंप मे भाग लेगी। इस अवसर पर हरियाणा भर से टीम प्रभारी व अनेक अधिकारी आदि उपस्थित थे। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य प्रीतम सिंह ने टीम प्रभारी रामफल सिंह, ऊषा रानी व विद्यार्थियों को बधाई दी ।

जिला स्तरीय लोक नृत्य में आरोही मॉडल स्कूल विजेता

उकलाना। जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान में हुए जिला स्तरीय लोक नृत्य में आरोही मॉडल स्कूल मुगलपुरा ने पहला स्थान प्राप्त किया है। अब यह विजेता टीम राज्य स्तर पर होने वाले कार्यक्रम में भाग लेगी। डाईट मात्रश्याम के प्रभारी सुदर्शन सोनी ने बताया कि लोक नृत्य व रोल प्ले प्रतियोगिता में जिले की नौ टीमो ने भाग लिया जिसकी विजेता टीमो को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेने का मौका मिलेगा। इससे पूर्व प्रत्येक खण्ड स्तर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। विद्यालय के प्रिसिंपल रामरत्तन ने टीम की सफलता के लिए सदस्यों को व संगीत प्रभारी सूर्यप्रकाश को सम्मानित किया है। खण्ड शिक्षा अधिकारी अनीता सिंगला ने भी आरोही मॉडल स्कूल की टीम को बधाई दी है व आगे के लिए शुभकामनाएं दी है।

गोल्डन पब्लिक स्कूल में मनाया शिक्षक दिवस

उकलाना। स्थानिय गोल्डन पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे अनके विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस पर अपने विचार रखें तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रीतम सिंह ने कहा कि हमारा पहला शिक्षक माता–पिता होते है जो कि हमे चलना–फिरना, खाना–पीना सिखातें है इसलिए हमें अपने माता–पिता का हमेशा सम्मान करना चाहिए। इसके बाद विद्यालय के शिक्षक के पास हम शैक्षणिक ज्ञान प्राप्त करने व दुनियादारी सीखने आते है।

इस अवसर पर बच्चों द्वारा शिक्षको को सम्मानित भी किया गया। प्रत्येक कक्षा को रंगोली से सजाया गया। इस अवसर पर रामफल सिंह, राजपति, मुकेश कुमारी, अनीता रानी, ऊषा रानी, कविता रानी आदि शिक्षक व बच्चें उपस्थित थे।

गोल्डन पब्लिक स्कूल के छात्र का एम. बी. बी. एस में दाखिला

उकलाना। गोल्डन पब्लिक स्कूल के पूर्व छात्र शुभम वर्मा का दिल्ली विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी कॉलेज आफ मेडिकल साईस (UCMS) में एम.बी.बी.एस. दाखिला हुआ है। उक्त कॉलेज देश के प्रतिष्ठित कॉलेजो में गिना जाता है।

इस उपलब्धि पर स्कूल के प्राचार्य प्रीतम सिंह व स्कूल प्रबंधन ने छात्र शुभम वर्मा को स्कूल व क्षेत्र का नाम रोशन करने पर बधाई दी है। प्रीतम सिंह ने बताया कि इससे पहले भी 10 छात्रों का एमबीबीएस मे दाखिला हो चुका है। जाजनवाला निवासी शुभम वर्मा का लक्ष्य आई.ए.एस. बनकर देश की सेवा करना है। जाजनवाला निवासी व रसायन विज्ञान के प्रवक्ता जयभगवान वर्मा के पुत्र शुभम का अन्तिम लक्ष्य आई.ए.एस. बनकर देश की सेवा करना है।

बच्चों के अधिकार विषय पर कार्यशाला का आयोजन

उकलाना। जिला बाल संरक्षण समिति की ओर से स्थानीय अम्बेडकर भवन मे एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे प्रत्येक गांव से सरपंच, आंगनवड़ी कार्यकर्ता, महिला शिक्षक, सबला लड़कियों ने भाग लिया। सीडीपीओ वीना रानी ने बताया कि सरकार ने बच्चों के कल्याण के लिए अनेक योजनाए शुरू की है। दिव्यांग बच्चों, भिखारी बच्चों, बच्चों पर होने वाले जुर्म को रोकने के लिए बाल हेल्प लाईन शुरू की गई है जिसके तहत कोई भी 1098 पर फोन करके इसकी सूचना समिति के सदस्यों को दे सकता है। सीडीपीओं ने सरपंचो का आहवान किया कि वे अपने–अपने गांव मे बिगड़ते लिंगानुपात के सुधार के लिए सरकार व समाज का सहयोग करें। यदि कोई भी डॉक्टर, दाई या कोई अन्य कन्या भ्रूण हत्या करता है तो तुरन्त सूचना दे। उन्होने सरकार की महत्वाकाक्षी योजना बेटी बचाओं–बेटी पढ़ाओं मे सहयोग देने की अपील की ।

इस अवसर पर सहायक खण्ड संसाधन संयोजक सत्यवान वर्मा ने कहा कि बाल शिक्षा के अधिकार के तहत 6 से 14 साल के बच्चें को नि:शुल्क शिक्षा का अधिकार दिया गया है जिसके तहत कोई भी अभिभावक या स्कूल बच्चों को शिक्षा देने से मना नहीं कर सकता। इसके अलावा बच्चों के स्वास्थ्य के लिए विद्यालयों मे दोपहर का खाना दिया जा रहा है, दूर से आने वाले लड़के–लड़कियों को नि:शुल्क साईकिल दी जाती है। उन्होने कहां कि सरकार का उदेश्य है कि कोई भी बच्चा बिना शिक्षा के ना रहे। इसलिए गांव में सभी बच्चों का स्कूल मे दाखिला करवाएं। इस कार्यशाला में प्रभुवाला के सरपंच श्रीमती बलजिन्द्र कौर व विजय कुमार ने भी अपने विचार रखें।

Golden Public School

Surewala Chowk, Uklana Mandi (Hisar)

For Nur. to 10+2(All Stream) Arts Only For Girls (10+1, 10+2)

E-mail ID - goldenschool999@gmail.com
Website-www.goldenschool.org

Phone No. 01693-235166
Mob. No. 94664-84104, 89014-21333

Requirement:- PGT- Economics, Commerce & Computer Teacher

बाजार से सस्ते रेट में काम करवायें

अनमोल पेन्टर 99920-52420 | अमृत पेन्टर 90504-28420

Flex, Hording, Vinayal, Banner

Offer मग प्रिन्ट 2 के साथ 1 फ्री करवायें
दीपावली पर 1 Magic मग के साथ 1 मग फ्री पायें

Near Arya Kanya College, Uklana Mandi | Near Kumar Cinema, Uklana Mandi

(सम्पादकीय)

आंतकवादी हमला और समाज

पिछले दिनों उड़ी मे हुए आंतकवादी हमले मे शहीद हुए हमारे 18 जवानो की जाने हमारे लिए अनमोल थी। इस घटना के बाद प्रत्येक देशवासी के मन मे देशभक्ति की भावना हिलोरे मारने लगी है। कोई पाकिस्तान को उसी की भाषा मे जबाब देने की बात करता है, तो कोई उसे आंतकवादी देश घोषित करवाने की बात करता है, तो कोई खुद की आंतकवादी से लोहा लेने की बात करता है। नि:सदेह भारत की आंतकवादियों व उसके पिछे छिपे लोगो पर कड़ी कार्यावाही करनी चाहिएं। हमें भी सरकार का हर प्रकार से सहयोग करना चाहिए तथा सभी राजनैतिक दलों को दलगत भावना से उपर उठकर सरकार के हाथ मजबूत करने चाहिए ताकि इस तरह की आंतकवादी घटनाओं की पुनरावतृि रोकी जा सके। फिर किसी महिला का सुहाग ना उजड़े, कोई बेटी अनाथ ना हो व देश की अखंडता से कोई छेड़छाड़ करने की हिम्मत करने की सोचे भी नहीं। हम सभी सीमा पर जाकर तो लड़ नहीं सकतें फिर भी अपने कार्य ईमानदारी से करके भी हम भी देशभक्ति ही कर रहें होतें है। लेकिन सवाल एक है कि हम सभी क्या अपने कार्य ईमानदारी से करते है। सवाल यह है कि क्या भगवान का रूप सभी डॉक्टर ईमानदारी से अपनी सेवा करतें है, क्या गुरू का रूप सभी अध्यापक ईमानदारी से अपने बच्चों को शिक्षा देतें है, क्यों दुशकर्म की घटनाएं प्रतिदिन समाचार पत्रों की सुरखियां बनती है, क्यों लोग अपने बृजर्ग माता-पिता को अनाथ आश्रम मे छोड़ देतें है, क्यों लोगो को अपने परिजनों के अन्तिम संस्कार के लिए भी भटकना पड़ता है, क्यों सरकारी कर्मचारी प्रतिदिन रिश्वत लेते हुए पकड़े जातें है। क्या इन सवालों के जबाब है हमारे पास-नहीं तो क्यों फिर हम देशभक्ति का दिखावा केवल सोशल मिडिया पर तक ही सीमित है। हमें मिलकर सोचना होगा कि क्यों ना हम सभी अपना-अपना कार्य ईमानदारी से करें और देश के प्रति अपनी देशभक्ति दिखाएं ताकि आने वाले समय में हमारा देश दूनिया का नेतृत्व करें। ये भावना हमें अपने बच्चों मे आज से ही भरनी होगी ताकि वो भविष्य मे अच्छे नागरिक व देशप्रेमी बने।

प्रीतम सिंह

स्वतंत्रता के लिए सघंर्ष

1.भारत का प्रथम स्वतत्रंता संग्राम कब और कहां से प्रारम्भ हुआ ? **10 मई, 1857 मेरठ**

2. प्रथम स्वतंत्रता सग्रांम के दौरान किसे दिल्ली का सम्राट घोषित किया गया था ? **बहादुर शाह जफर, द्वितीय**

3. मंगल पाण्डे ने किस छावनी में अंग्रेजो के प्रति विद्रोह किया था? **बैरकपुर (बंगाल)**

4. झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की वीरगति के समय आयु कितनी थी? **23 वर्ष**

5. 1857 के स्वतत्रंता संग्राम में 80 वर्ष की आयु में युद्व करके अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले वीर कौन थे? **कुँवर सिंह (जगदीशपुर, बिहार)**

6. अंग्रेजों को धोखा देने के लिए युद्व के समय रानी लक्ष्मीबाई का वेश बनाने वाली वीरागंना कौन थी? **झलकारी बाई**

7. 1857 के स्वतत्रंता सग्रांम से पूर्व प्रचार हेतू किन वस्तुओं का प्रतीक रूप में प्रयोग किया गया? **रोटी और कमल**

8. 1857 के स्वतत्रंता सग्रांम का कानपुर में नेतृत्व किसने किया था? **नाना साहेब**

9. 1857 के स्वतत्रंता सग्रांम में नाना साहब का वीर सहयोगी कौन था? **तात्या टोपे**

10. 1857 के स्वतत्रंता सग्रांम से पूर्ववर्ती प्रमुख आन्दोलन कौन सा था? **संन्यासी आन्दोलन**

11. दीनबन्धु मित्र के नाटक 'नील दर्पण' का सम्बन्ध किस आन्दोलन से है? **नील किसानों का विद्रोह**

12.स्वतत्रंता आन्दोलन में किस जनजातिय नेता को उसके अनुयायियों द्वारा ईश्वर का अवतार और विश्व का पिता माना गया है? **बिरसा मुण्डा**

13.जनजातीय नेता 'सीदू' और 'कान्हू' किस आन्दोलन से सम्बन्धित थे? **संथाल आन्दोलन (1855)**

ललित कलाएं

1.भरत नाट्यम किस प्रदेश का नृत्य है	तमिलनाडू
2.मेहिनी अट्टम किस प्रदेश का नृत्य है	केरल
3.चकियार कूंदू किस प्रदेश का नृत्य है	केरल
4.ओट्म थुलाल किस प्रदेश का नृत्य है	केरल
5.भांगड़ा किस प्रदेश का नृत्य है	पंजाब
6.बिदेशिया किस प्रदेश का नृत्य है	बिहार
7.बीहू किस प्रदेश का नृत्य है	असम
8.छाऊ किस प्रदेश का नृत्य है	उड़ीसा
9.चिराव किस प्रदेश का नृत्य है	मिजोरम
10.डांडिया किस प्रदेश का नृत्य है	गुजरात
11.गण किस प्रदेश का नृत्य है	राजस्थान
12.गरबा किस प्रदेश का नृत्य है	गुजरात
13.गिद्धा किस प्रदेश का नृत्य है	पंजाब
14.झूलन किस प्रदेश का नृत्य है	राजस्थान
15.महारास किस प्रदेश का नृत्य है	मणिपुर
16.पंडवानी किस प्रदेश का नृत्य है	छतीसगढ़
17.स्वांग किस प्रदेश का नृत्य है	हरियाणा

मट्ठा दिव्यौषधि का कार्य करता है।

छाछ बनाने की विधि - उच्छी प्रकार से दूध को गर्म करने के बाद, जिस समय दूध की गर्मी कम हो जाए, दूध में जामन डालकर उसको दही बनाने के लिए ढककर रख देना चाहिए। प्रात: काल उसमें चौथाई भाग पानी मिलाकर मथानी से उसको अच्छी प्रकार से मथकर उसका मक्खन निकाल लें। इस प्रकार से तैयार की हुई छाछ अत्यन्त रूचिकर, सुपाच्य, मल-मूत्र को साफ करने वाली तथा अन्य द्रव्यों को पचाने वाली होती है।

इसी कारण इसका प्रयोग अतिसार, सग्रंहणी, अर्श, नलाश्रित वायु, पीलिया, उदरशूल, मूत्रकष्ट, हैजा, मूत्राघात, अश्मरी तथा गुल्म आदि विकारों में केया जाता है।

गुण-

(1) शीतकाल में तथा अग्निमाद्यं, अरूचि, वातरोग, स्त्रोतोरोध आदि रोगों में सोठ पीपल के साथ लेने में यह अमृत के समान कार्य करती है। (2) यह विष विकार का नाश करती है। (3) यह क्षुधावर्धक है। (4) यह नेत्र रोगनाशक है।(5) रक्त एंव मांस की वृद्धि करती है। (6) आँव व कफ-वात नाशक है। (7) नेत्र रोगो में लाभप्रद है। (8) ज्वर रोग नाशक है। (9) छर्दि, लालास्त्राव, अतिसार, शूल, तिल्ली, उदर व अरूचि को दूर करती है। (10) श्वितन (कुष्ठ) रोग, कोष्ठगत रोग व सूजन में लाभदायक है।

रोगानुसार छाछ (मट्ठे) का प्रयोग-

(1) वात विकार में सैंधा नमक के साथ प्रयोग करें। (2) पित विकार में शक्कर मिलाकर प्रयोग करें। (3) कफ विकार में सोंइ, सैंधव नमक, काली मिर्च व पीपल - ये सभी मिलाकर लेना चाहिए। (4) मूत्रकृच्छ में गुड़ के साथ प्रयोग करें। (5) पाण्डु रोग में चितन्क चूर्ण के साथ प्रयोग करें। (6) उदर विकार में- (अ) वातोदर में पीपल व सैंधव नमक के साथ दें। (ब) पितोदर में शक्कर तथा काली मिर्च मिलाकर दें। (स) कफोदर में अजवायन, सैंधव नमक, जीरा, सोंठ, पीपल व काली मिर्च के साथ दें। (द) सन्निपातोदर में सोठ, काली मिर्च, पीपल और सैंधव नमक मिलाकर सेवन कराएं। (य) बद्धोदर में हाउबेर, अजवायन, जीरा और सैंधव नमक मिलाकर दें। (र) ग्रहणी रोग में विशेष रूप से मट्ठा (छाछ) का सेवन करना चाहिए। अन्न का बिल्कुल त्याग कर दें। केवल मट्ठे पर ही रहें। मट्ठे में हल्का-सा सफेद जीरा भूनकर मिला देने से यह अत्यन्त लाभकारी हो जाता है।

लेखक:- ब्रह्मलीन स्वामी कर्मवीर दयानन्द जी (महर्षि पतंजलि परिवार)

Poonam Photography
Wedding photography Fashion photography Pre- Wedding Shooting
Add:- Uklana Mandi (Hisar)
Suresh Bhatia 94162-44910
Liladher 94163-80464

!! धन-धन सतगुरू तेरा ही आसरा !!
Sunil Goyal (M.D.)
M. 98960-68472
96712-78713
Since 1996
Best Quality is Our Motto
C-LU

नोट:- हमारे यहां पर आर्डर पर स्टाफ व अन्य ड्रैस तैयार की जाती है।
Near HDFC Bank, Wazir Devi Colony, Uklana Mandi (Hisar)
E-mail : goyal.clu@gmail.com

दुश्मन तुम होश में आओ

मेरे शान्त भारत में अब, विस्फोट पर विस्फोट हो रहे।
भारत माँ के करोड़ों वीरो, क्यों गहरी नींद में सो रहे।
आई एस आई और देश के दुश्मन नफरत के बीज है बो रहे।
सांप्रदायिकता फैलाने की कोशिश में भाईचारा हमारा खो रहे।
मन्दिर पर कभी मस्जिद पर, विस्फोट कब्रिस्तान पर हो रहे।
बहनों की मांगे सूनी हुई और बच्चे अनाथ है रो रहे।
घिनौनी हरकतें छोड़कर, आता तूं क्यों बाज नहीं,
हिन्दुस्तान की ताकत का , शायद तुमको अंदाज नहीं।
खून हम भी बहा सकते है , और उसमें तुझे नहला देंगे ।
गर अपनी पर हम आ गये तो, दुनियाँ को दहला देंगे ।
खून हमारा खौल उठा है, और उसमें तुझे नहला देंगे।
गर बाज ना आया दुश्मन तो दुनियाँ को दहला देंगे ।
नीचता और कायरता कहते है विस्फोटों की तेरी कहानी को
गर हिम्मत है तो सामने आ, हम देखें तेरी जवानी को।
कायरता कभी करते नही चावला है आन वतन के शान की।
पलभर में तुम्हें मिटा देंगे, है कसम हिन्दुस्तान की ।
है कसम------

बी,डी,चावला
सीनियर मैनेजर पी. एन. बी.
मो, 9813685163

बच्चों से सीखो जी

धरती से क्षमा, आकाश से ऊंचाईयां सीखो जी,
पहाड़ो से बुलंदियां, पक्षियों से स्नेह सीखो जी,
चीटियों से अनेकता में एकता सीखो जी,
कोयल से मीठा बोलना सीखो जी,
पल में लड़ना, पल में मिलना बच्चों से सीखो जी।

सुनेना राठी
कक्षा पांचवी

नन्हें कलाकार

चँदा मामा

चँदा मामा आते है, साथ तारे लाते है।
आसमान पर छातें हैं, मेरे मन को भाते हैं।
झिल-झिल , झिल-झिल करके जाते है।
चँदा मामा आते है, साथ तारे लाते है।

आरती, मितिका
कक्षा तीसरी

समुंद्र सारे अच्छे लगते
चाँद-तारे अच्छे लगते,
बादल काले अच्छे लगते।
धूल मिट्टी में खेलते देखो, बच्चे सारे अच्छे लगते।
वादे है वादों का क्या, चुनाव में नारे अच्छे लगते।
आगे बढ़ने का संदेश देते, नदी की धारा अच्छी लगती।
जब साथ हो तुम हमारे, दुख-सुख सारे अच्छे लगते।
जब प्यास लगी हो राही, तब समुंद्र खारे अच्छे लगते।

दीक्षा नैन
कक्षा सातवीं

वास्तविक विचार

कड़वा सच न छिपाए, जो बाद मे दु:ख पहुँचाए।

मीठा झूठ न बोले जो, बाद मे दूसरो से नफरत दिलवाए।

ऐसा कार्य न करें, कि बाद मे पछताएं।

ऐसी जुदाई न करें कि बाद में सताए।

ऐसी योजना बनाए जो सबके काम आए।

आप ऐसे बन जाए जो सबके काम आए।।

सुमन नैन,
कक्षा बाहरवीं

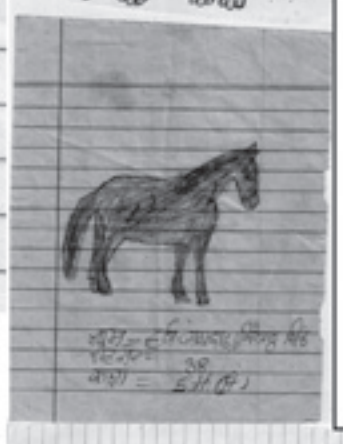

कल्पना मन में उभरती है
धूप ये अठखेलियां हर रोज करती है,
एक छाया सीढ़ियां चढ़ती-उतरती है।
यह दिया चौरास्ते का ओट में ले लो,
आज आँधी गाँव से होकर गुजरती है।
कुछ बहुत गहरी दरारें पड़ गई मन में,
मीत अब यह मन नहीं है एक धरती है।
कौन शासन से कहेगा, कौन पूछेगा,
एक चिड़िया इन धमाकों से सिहरती है।
मैं तुम्हे छूकर जरा-सा छेड़ देता हूं,
और गीली पांखुरी से ओस झरती है।
तुम कहीं पर झील हो, मै एक नोका हूं।
इस तरह की कल्पना मन में उभरती है।

प्रगति, मनीषा
कक्षा पांचवी

अजन्मी बेटी व पिता का संवाद

मैं आपकी बेटी मेरी भी तो सुनो,
पापा सुनो ना, साथ देना आप मेरा,
मजबूत बनाना मेरे हर हौसलें को,
घर लक्ष्मी है आपकी बेटी, वक्त आने पर कली भी बन जाऊगीं।
पापा सुना ना, ना मारो अपनी नन्ही सी कली को,
उड़ान देना मेरे हर वजूद को, मै कल्पना चावला की तरह ऊंची उड़ान भर जाउंगी।
आप बन जाना मेरी छत्र-छाया, में झांसी की रानी की तरह खुद मेरी लाज बचाउंगी।
पापा सुनो ना, ना मारो अपनी नन्ही सी कली को।
शर्मिन्दगी महसूस करते हुए पिता अपनी बेटी से कहता है,
अब मै कैसे नजर मिलाऊंगा।
चल पड़ा था तुम्हार गला दबाने अब कैसे खुद को तुम्हारे सामने लाऊंगा।
मुझे माफ कर ए मेरी बेटी, तुझे इस दुनियां मे सम्मान से लाऊंगा।
वहसी है यह दुनियां तो क्या हुआ, तुझे बहादुर बिटियां बनाऊंगा।
मेरी इस गलती की मुझे है "शर्म"
घर-घर जाकर सबका भ्रम मिटाऊंगा।
बेटियां बोझ नहीं होती, अब सारे समाज मे यही अलख जगाऊगां।
बेटी बचाओ-बेटी पढ़ओं।

प्रीति श्योराण, ज्योति कुण्डू
कक्षा दसवीं

चिड़ियां

पहले गाना गाती चिड़ियां, पीछे दाना खाती चिड़ियां।

खिड़की-खिड़की दस्तक देकर, घर के भीतर आती चिड़ियां।

कोमल-कोमल तिलके चुनकर, अपना नीड़ बनाती चिड़िया।

कभी धूल मे, कभी ताल मे, धो-धो पंख नहाती चिड़ियां।

काजल मेहंदी कगंल लेकर सोलह रूप सजाती चिड़ियां।

और सयानी बिटियां जैसी देश छोड़ जाती चिड़ियां।

अंशिका, कक्षा दूसरी।

सच्चा प्यार

सच्चा प्यार
वैसे प्यार एक धोखा है,
अगर स्वाद चखो तो लगे चोखा है।
ऐ मिट्टी की मुरत इंसान, तु सच्चे प्यार को ले पहचान।
उन माता-पिता का कर गुणगान, जिन्होने दिया तुझको जीवनदान।
यह दुनिया एक सराए है, कोई आए कोई जाए है।
जो इस धोखे में फंस जाए है, जीवन बर्बाद कर जाए हैं।
फिर कुछ भी हाथ ना पाए हैं, परिवार से हाथ धो जाए हैं।
अंत मे एक उपाए हैं, आत्महत्या कर जाए है।
इसलिए ऐ भोले इंसान, इस गृहचक्र को ले पहचान।
माता-पिता का कर आदर-सम्मान, अब मै वाणी को देती हूं विराम।
भाईयों और बहनों राम-राम, राम-राम।।

जयश्री घणघस
छात्र सम्पादक

बेटियां

प्यार की सजीव कहानी होती है बेटियां, मां बाप की आंखो का पानी होती है बेटियां। गुजरता है बचपन रफतार से इनका, पलभर मे ही सयानी हो जाती है बेटियां। नूर से इनके रोशन है घर का हर कोना, चाँद से भी नूरानी होती है बेटियां। जब तब है पास रखो प्यार से लबरेज, चंद दिनों मे ही बेगानी होती है बेटियां। हर दुख जहां का बना इन्ही के लिए, गमो की ही रानी होती है बेटियांसब कुछ है मगर कुछ भी नहीं, इनका किस्मत की भी वीरानी होती है बेटियां।

साक्षी कक्षा सांतवी

आखिर कब तक

आखिर कब तक यह बतलादो करें सबर,

आग लगाए खबरो की, हर एक खबर।

एक थपड़ का वार जो सह सकता नहीं,

आँख दिखाता है हमको तो वही डफर।

ऐ मोदी जी छोड़ो सारी बाते प्यारे,

दिखलादो अब तो पापी को दिन मे तारे।

उसने अपने देश के 18 लाल है मारे,

मजा तो तब है जब उसके 1800 मारे।

छटी का दूध दिला दो दुश्मन को भी याद,

करके रख दो साले का जड़ से बर्बाद।

आँख उठा के भी वो देखे दिल्ली,

जला के रख दो तुम उसका इस्लामाबाद।

सत्यभूषण बिंदल, उकलाना मण्डी

विद्या है अनमोल रतन

बुलदिंयों को छूना है, पर धरती का ध्यान रहे।
बनना बहुत बड़ा है तुमको, निज लघुता पर मान रहे।
कब, क्या, क्यों करना है इसका खुद को ज्ञान रहे।
विद्या है अनमोल रतन, हर स्वास्थ्य पर रत्तन बलवान रहे।

सचिन, कक्षा सातवीं

कला उत्सव में वर्तमान को पुरानी संस्कृति के जोड़ने का प्रयास- एडीसी।

हिसार । जिला स्तरीय कला उत्सव का आयोजन गंगवा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मे किया गया जिसमे सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों की लगभग 70 टीमों ने भाग लिया। हरियाणवी गायन, नृत्य, नाटक व दृश्य कलाओं का प्रदर्शन किया गया। खण्ड उकलाना की ओर से आरोही मॉडल स्कूल मुगलपुरा, गोल्डन पब्लिक स्कूल उकलाना मण्डी, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय उकलाना मण्डी व एस डी पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल लितानी ने भाग लिया। जिला में प्रथम स्थान पाने वाली टीमों का राज्य स्तरीय तथा राज्य में प्रथम स्थान पाने वाली टीमों को राष्ट्रीय स्तर पर कला उत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा।

मुख्याअतिथि अतिरिक्त उपायुक्त विजय कुमार ने जिला स्तरीय कला उत्सव के निरीक्षण उपरांत कहा कि कला उत्सव में हमारी पुरानी संस्कृति की झलक को पूर्ण रूप से दिखाने का प्रयास किया है। पहले हमारे ग्रामीण क्षेत्र के घरों, खेतों व खलियानों में प्रयोग होने वाले साधनों को भी यहां पर देखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि कला उत्सव में हमारे ग्रामीण क्षेत्र के पूर्वज किस प्रकार जीवन बिताते थे। इसके बारे पूर्ण जानकारी देने का प्रयास किया गया है। मुझे आशा है कि इस कला उत्सव से ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़कर हमारी पुरानी संस्कृति से रूबरू होगें।

अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि कला उत्सव हमारे पूर्वजों के ग्रामीण क्षेत्र के घरों के रहन-सहन, खाने-पीने सामान सहित ओढ़ने-पहनने के वस्त्र व जेवरात भी देखने को मिले हैं। खेत-खलिहानों में प्रयोग होने औजारों का भी समावेश कला उत्सव में किया गया है। साथ ही मिट्टी से बनने वाले बेहतर खिलौने, पैंटिंग तथा रंगोलियां भी यहां देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि कला उत्सव का आयोजन करके आज के आधुनिक युग में बच्चों तथा युवाओं को हमारी पुरानी संस्कृति के साथ जोड़ने का प्रयास किया गया है।

उप-जिला शिक्षा अधिकारी-कम जिला कला उत्सव के संयोजक देवेन्द्र सिंह ने बताया कि कला उत्सव मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा करवाया जाता है। इसका उद्देश्य भारत के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की कला प्रतिभा को पहचानना, उसे पोषित करना, प्रस्तुत करना और शिक्षा में कला को बढ़ावा देना है। हमारे यहां कला के माध्यम से सीखने, सीखाने की वर्षों पुरानी परम्परा रही है। यहां कला उत्सव में उस परम्परा का अनुपम उदाहरण देखने को मिला है। उन्होंने बताया कि कला उत्सव की राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान पाने वाली टीमों को अलग-अलग चारों कम्पोनेट में क्रमश: प्रथम स्थान पाने वाली टीमों को 5 लाख रूपये, द्वितीय स्थान पाने वाली टीमों को 3 लाख रूपये तथा तृतीय स्थान पाने वाली टीमों को 2 लाख रूपये की धन राशि ईनाम स्वरूप मिलेगी। उन्होंने बताया कि संगीत की टीम ने 6 से 1, नृत्य की टीम ने 8 से 1, नाटय कला में 8 से 12 तथा दृश्य कला में 4 से 6 विद्यार्थी भाग ले सकते है। इसके अलावा कला उत्सव में 9वीं से 12वीं कक्षा तक

विद्यार्थी भाग ले सकते है। इसमें सरकारी व मान्यता प्राप्त गैरसरकारी स्कूलों को भी शामिल किया गया है। किसी भी टीम में कोई दिव्यांग बच्चा है तो उस टीम को अलग से 15 अंक मिलेगें।

कला उत्सव के प्रत्येक कम्पोनेट को शामिल करके विद्यार्थियों से प्रस्ताव प्रतियोगिता भी आयोजित करवाई जाएगी।

भारतीय सेना में खुली भर्ती का आयोजन

हिसार । भारतीय सेना में खुली भर्ती का आयोजन राव तुला राम स्टेडियम रेवाड़ी में 26 सितम्बर से 10 अक्तूबर तक किया जाएगा। यह जानकारी हिसार भर्ती कार्यालय के भर्ती निर्देशक ने दी। उन्होंने बताया कि सेना भर्ती में सैनिक सामान्य ड्यूटी, लिपिक, स्टोर कीपर तकनीकी पदों के लिए भर्ती की जाएगी।

सेना भर्ती निदेशक ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि भर्ती में 26 सितम्बर को फतेहाबाद जिला के फतेहाबाद, रतिया और टोहाना तहसील के युवाओं को, 27 सितम्बर को जींद जिला के जींद व जुलाना तहसील के युवाओं को, 28 सितम्बर को नरवाना व सफीदों तहसील के युवाओं को, 29 सितम्बर को केवल सैनिक तकनीकी पदों के लिए हिसार, फतेहाबाद, सिरसा व जींद जिला के युवाओं को मौका दिया जाएगा।

भर्ती सफल हुए युवाओं को 30 सितम्बर को डॉक्टरी जांच व प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। इसी प्रकार एक अक्तूबर को रेवाड़ी जिला के रेवाड़ी व कोसली तहसील के युवाओं को, 2 अक्तूबर को रेवाड़ी जिला की बावल तहसील और भिवानी जिला की तोशाम तहसील के युवाओं को, 3 अक्तूबर को भिवानी जिला के भिवानी व सिवानी तहसील के युवाओं को 4 अक्तूबर को बवानी खेड़ा और लोहारू तहसील के युवाओं को मौका दिया जाएगा। पांच अक्तूबर को

इन सभी तहसीलों के युवाओं की डॉक्टरी जांच की जाएगी।

उन्होंने आगे बताया कि 6 अक्तूबर को भिवानी जिला के चरखी दादरी व बाढड़ा तहसील के युवाओं को, 7 अक्तूबर को मेहन्द्रगढ व नंगल चौधरी तहसील के युवाओं को, 8 अक्तूबर को महेन्द्रगढ जिला के नारनौल, अटेली और कनीना तहसील तथा हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के भूतपूर्व सैनिकों जिन्होंने अपना नाम अपने सम्बन्धित भर्ती दफ्तर में दर्ज किया हो को मौका मिलेगा।

9 व 10 अक्तूबर को इन सभी तहसीलों के सफल युवाओं को डॉक्टरी जांच व प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे। इसके अलावा सेवार्थ सैनिक/पूर्व सैनिक/सैन्य एवं युद्ध विधवाओं के पुत्र, एनसीसी और खिलाड़ी उम्मीदवारों का चयन भी उनके जिलों में दी गई तारिखों में ही किया जाएगा।

भूकम्प वैज्ञानिक अमित गिल छात्रों से हुए रू-ब-रू

उकलाना। टोक्यो स्थित जापानी भुकम्प अनुसंधान केन्द्र मे कार्यरत वैज्ञानिक अमीत गिल ने आज गोल्डन स्कूल उकलना मण्डी मे बच्चों को सम्बोधित किया। उन्होने छात्रों का आहवान किया कि ये शिक्षा मे विषय को गहराई तक समझें ताकि आगे जाकर उस विषय मे निपुण हो सके। समेण निवासी गिल ने बच्चों को भुकम्प से सम्बधीत अनेक जानकारियां दी। उन्होने बताया कि भुकम्प एक प्राकृतिक घटना हैं, इसका पुण्य–पाप से कोई लेना–देना नहीं है।

भूकम्प के दौरान बचाव व सावधानियां रखने के उपाय बताए। उन्होनें बच्चो को कहा कि आज के युग में

अंधविश्वास ना पड़कर वैज्ञानिक चिंतन की आवश्यकता हैं। युवा वैज्ञानिक ने बच्चों की जिज्ञासाओं को भी शांत किया व उनके पुछे गये प्रश्नो के उत्तर दिए।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रीतम सिंह ने वैज्ञानिक अमित गिल का स्वागत किया व बच्चों का आह्वान किया कि वे भी इसी तरह ग्रामीण परिवेश से निकल कर इस मुकाम पर पहुंचें है।

आप भी अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसे प्राप्त करने का प्रयास करें। इस अवसर पर रामफल सिंह, बलिन्द्र सिंह सहित अनेक अध्यापक उपस्थित थे।

Sunil Khan 98124-73919 O-01693-233357
Jitender Kaushal 94674-45902
Ambition
Learning Point
HTET Classes Start 1 Oct. से
Coaching & Competition Classes
Near Sewarath Lab., Uklana Mandi (Hisar)

Website : www.kpcuklana.in | E-mail : jaigodsir@gmail.com

Jai Bhagwan Chauhan 94666-72050
Khushi Photostat & Computer
- Online Form
- GJU, IGNOU, KUK, MDU
- Typing (Hindi & English)
- Online RTI
- Photostat/Lamination
- Spiral Binding
- Railway/Airway Ticket
- Complete IT Solution

Near Arya Kanya College, Uklana Mandi (Hisar)

"गोल्डन परिवार की ओर से हरियाणा के ज्ञात व अज्ञात शहीदों को अश्रुपूर्ण श्रद्धाजंलि"

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी दुनीचंद ने अपने स्वामित्व में सूचना प्रिंटर्स – 33– एस मॉडल टाऊन, हिसार से मुद्रित करवाकर कार्यालय : गोल्डन पब्लिक स्कूल, उकलाना (हिसार) से प्रकाशित किया।
उप सम्पादक प्रीतम सिंह, RNI No. HARHIN06075 मो. 94664-84104, E-mail:- goldensandesh999@gmail.com (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार होगा।)